हिन्द्री प्रारूप प्रश्न पत्र – 1

निर्धारित समयः 3 घंटे 15 मिनट **अधिकतम अंकः 80**

परीक्षार्थियों के लिये सामान्य निर्देशः

- **परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।**
- **सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।**
- **जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।**
- **प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व उत्तर क्रमांक अवश्य लिखें।**

खण्ड–(अ)

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी पुस्तिका में लिखिए (i-xii)– **[12×1= 12]**

(i) गोपियों ने अपनी तुलना किससे की है?
(अ) प्रेम नदी से (ब) कड़वी ककड़ी से (स) तेल की गगरी से (द) हारिल पक्षी से

(ii) लक्ष्मण के मतानुसार शूरवीर है–
(अ) डरपोक (ब) कमजोर (स) धैर्यवान और विनम्र (द) बहादुर

(iii) मुख्य गायक कहाँ खो जाता है?
(अ) अनहद में (ब) जंगल में (स) संगीत सभा में (द) अन्तरा में

(iv) 'पत्तियों का मुरझाकर गिरना' किसका प्रतीक है?
(अ) विश्व सारहीन है (ब) विश्व अनंत है (स) दुःख मिट जाता है (द) दुःख आ जाता है

(v) संगतकार के प्रयास को क्या समझा जाना चाहिए?
(अ) सफलता (ब) विफलता (स) मनुष्यता (द) योग्यता

(vi) बालगोबिन भगत क्या नहीं करते थे?
(अ) खेतीबाड़ी (ब) परिवार की जिम्मेदारी
(स) दो टूक की बातें (द) झूठ बोलना

(vii) सुशीला कौन थी?
(अ) लेखिका स्वयं (ब) लेखिका की बड़ी बहन,
(स) सहपाठी (द) लेखिका की माँ

(viii) शहनाई को किसके सहारे फूँका जाता है?
(अ) घास से (ब) रीड़ से (स) सींक से (द) नदी से

(ix) <u>जानवर</u> चर रहे हैं– रेखांकित संज्ञा का भेद बताइए।
(अ) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ब) गुणवाचक संज्ञा (स) जातिवाचक संज्ञा (द) समूहवाचक संज्ञा

(x) सर्वनाम के कितने भेद होते हैं?
(अ) छः (ब) चार (स) तीन (द) पाँच

(xi) <u>विवाह</u> के बाद रमेश का.....जीवन अच्छा कट रहा है। रेखांकित शब्द से विशेषण बनाकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
(अ) विवाहपूर्ण (ब) वैवाहिक
(स) विवाहिक (द) ब्याहता

(xii) रोहित अपने मित्र को चिट्ठी <u>लिखता</u> है। रेखांकित क्रिया का भेद बताइए।
(अ) द्विकर्मक क्रिया (ब) सकर्मक क्रिया
(स) अकर्मक क्रिया (द) पूर्वकालिक क्रिया

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE

2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए (i-vi) **[6 ×1 = 6]**

(i) जो सर्वनाम निकटस्थ अथवा दूरस्थ व्यक्ति या पदार्थ की ओर.....संकेत करते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है

(ii) शब्द जो किसी वस्तु, पदार्थ या जगह की मात्रा, तौल या माप का बोध कराते हैं, वे.....कहलाते हैं।

(iii) धातु को हिन्दी में.....कहते हैं।

(iv) 'अवगुण' शब्द में.....उपसर्ग है।

(v) 'समाज' शब्द में 'इक' प्रत्यय लगाने पर शब्द.....बनेगा।

(vi) सन्धि के मुख्यतः.....प्रकार होते हैं।

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **[6×1=6]**

यदि किसी राष्ट्र का समुचित विकास तथा उसके नागरिकों का सही व्यक्तित्व निर्माण करना हो तो उसकी शिक्षा का सोद्देश्य होना अनिवार्य है। शिक्षा वस्तुतः कोई पाठ्यक्रम या डिग्री प्राप्त करना भर नहीं हैं बल्कि जीवन में सतत चलने वाली प्रक्रिया है जो कुछ न कुछ सिखाती रहती है। शिक्षा से ही व्यक्ति और राष्ट्र के चरित्र का निर्माण होता है। यदि किसी देश की शिक्षा अच्छी होगी तो उसके नागरिकों का चरित्र भी अच्छा होगा। गाँधीजी भी शिक्षा को चरित्र–निर्माण के लिए अनिवार्य मानते थे। वे कहते थे शिक्षा का सही उद्देश्य चरित्र–निर्माण होना चाहिए।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक है–

(अ) राष्ट्र विकास (ब) चरित्र–निर्माण (स) शिक्षा का उद्देश्य (द) राष्ट्र–चरित्र

(ii) व्यक्ति और राष्ट्र का चरित्र–निर्माण होता है–

(अ) धर्म से (ब) धन से (स) परिश्रम से (द) शिक्षा से

(iii) जीवन में सतत् चलने वाली प्रक्रिया क्या है?

(अ) शिक्षा (ब) पाठ्यक्रम (स) डिग्री (द) उपर्युक्त सभी

(iv) राष्ट्र के विकास व नागरिकों के व्यक्तित्व निर्माण हेतु शिक्षा कैसी होनी चाहिए?

(v) गाँधीजी के शिक्षा के विषय में क्या विचार थे?

(vi) 'विनाश' शब्द का विपरीतार्थक शब्द गद्यांश में से छाँटकर लिखिए।

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **[6×1= 6]**

अरूण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर– मंगल कुंकुम सारा।
लघु सुरधनु से पंख पसारे– शीतल मलय समीर सहारे।
उड़ते खग जिसे ओर मुँह किये– समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखों के बादल–बनते जहाँ भरे करूणा जल।
लहरें टकराती अनंत की–पाकर जहाँ किनारा।
हेम–कुंभ ले उषा सवेरे– भरती ढुलकती सुख मेरे।
मदिर ऊँघते रहते– जब जाकर रजनी भर तारा।

(i) कवि ने भारत देश की कौनसी विशेषता बताई है?

(अ) यह देश बहुत सुन्दर है। (ब) यहाँ के लोग करूणाशील है।
(स) अतिथि देवो भव की परम्परा निभाते हैं। (द) उपर्युक्त सभी

(ii) 'हेम–कुम्भ ले उषा सवेरे' में हेम–कुम्भ' से तात्पर्य है–

(अ) सोने का घड़ा (ब) सूर्य (स) पीला कुम्भ (द) बर्फ का घड़ा

(iii) 'बरसाती आँखो के बादल' पंक्ति में भारत की किस विशेषता को बताया गया है?

(अ) संवेदनशील (ब) कर्त्तव्यनिष्ठ (स) न्यायप्रिय (द) सहिष्णु

(iv) 'लहरें टकराती अनंत की–पाकर जहाँ किनारा' पंक्ति का क्या आशय है?

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE

(v) भारत में कैसी हवाएँ चलती है?

(vi) प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

खण्ड -(ब)

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द है। [7×2=14]

5. बालगोबिन भगत का मृत्यु के प्रति क्या दृष्टिकोण था?

6. 'एक कहानी यह भी' आत्मकथा में मन्नू भण्डारी के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों सम्बोधित किया है?

7. काशी में मरण भी मंगल क्यों माना गया है? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर लिखिए।

8. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिये?

9. 'उत्साह' कविता में निहित संदेश को स्पष्ट कीजिए।

10. कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग–अलग अवसरों की ओर संकेत करता हैं?

11. "कितनी अद्‌भुत व्यवस्था है जल संचय की।" मणि ने प्रकृति की जल व्यवस्था को अद्‌भुत क्यों कहा?

खण्ड -(स)

12. **निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। [4×1=4]**

बालगोबिन भगत की संगीत–साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उसका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह ! कुछ सुस्त और बोदा– सा था, किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत कर दिया था उसने।

(i) बालगोबिन भगत का बेटा कैसा था?

(ii) बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरमोत्कर्ष कब दिखाई दिया?

(iii) भगतजी की दृष्टि में निगरानी और मोहब्बत के ज्यादा हकदार कौन होते हैं?

(iv) भगतजी की पतोहू कैसी थी?

अथवा

एक संस्कृत व्यक्ति नयी चीज की खोज करता; किन्तु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी सन्तान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक कौन हैं?

(ii) वास्तविक संस्कृत व्यक्ति किसे कहते है?

(iii) किसे संस्कृत व्यक्ति नहीं कह सकते हैं?

(iv) एक संस्कृत व्यक्ति किसकी खोज करता है?

13. **निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- [4×1 = 4]**

विकल विकल, उन्मन थे उन्मन
विश्व के निदाघ के सकल जन,
आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन!
तप्त धरा, जल से फिर
शीतल कर दो–बादल, गरजो

(i) कवि बादल को ही क्यों सम्बोधित कर रहा है?

(ii) कवि बादलों से बरसने का अनुरोध क्यों कर रहे हैं?

(iii) 'जल से शीतल' करने का सांकेतिक अर्थ बताइए।

(iv) कवि ने किनको विकल और अनमना बताया है और क्यों?

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE

अथवा

एक के नहीं,
दो के नहीं,
ढेर सारी नदियों के पानी का जादू:
एक के नहीं,
दो के नहीं,
लाख–लाख कोटि–कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमाः
एक की नहीं,
दो की नहीं,
हजार–हजार खेतों की मिट्टी का गुण- धर्मः

(i) इस पद्यांश में कवि क्या कहना चाहता है?

(ii) 'पानी का जादू' से क्या आशय है?

(iii) 'एक के नहीं, दो के नहीं' के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

(iv) फसल को मिट्टी का गुणधर्म क्यों कहा गया है?

14. मन्नू भण्डारी के पिता किन परिस्थितियों या अर्न्तविरोधों के बीच जीते थे? **[3]**

अथवा

संस्कृत व्यक्ति की संतान को कौनसा लाभ प्राप्त हो जाता है? सभ्य और संस्कृत व्यक्ति में क्या अन्तर है?

15. जब तुम्हारी दंतुरित मुस्कान **[3]**
मुझे लगती बड़ी ही छविमान!
कवि नागार्जुन को दंतुरित मुस्कान की छवि बड़ी कब लगती है?

अथवा

सूरदासजी ने उद्धव एवं कमल– पत्र में क्या समानता बताई है?

<u>खण्ड – (द)</u>

16. 'यतीन्द्र मिश्र' का जीवन व कृत्तित्व परिचय संक्षेप में लिखिए। **[4]**

अथवा

सूर्यकांत त्रिपाठी' निराला' का जीवन व कृत्तित्व परिचय संक्षेप में लिखिए।

17. बच्चों द्वारा बारात कैसे निकाली जाती थी? उनके द्वारा सजाई गई बारात तथा शादी के कार्यक्रम का वर्णन करते हुए 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि बाबू जी उनके इस कार्यक्रम में किस तरह सम्मिलित होते थे? छोटों के प्रति बाबूजी के प्रेम के इस उदाहरण से आप क्या प्रेरणा ग्रहण करते है? **[4]**

अथवा

"महतारी के हाथ से खाने पर बच्चों का पेट भरता है" ऐसा क्यों कहा गया? 'माता का अँचल' अध्याय के आधार पर संक्षेप में उत्तर लिखिए।

18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 300 – 350 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए। **[6]**

(अ) ऊर्जा की बढ़ती माँगः समस्या और समाधान

(i) प्रस्तावना
(ii) ऊर्जा का प्रमुख स्त्रोत प्रकृति
(iii) ऊर्जा की निरंतर बढ़ती माँग संकट का संदेश
(iv) ऊर्जा संरक्षण समय की माँग
(v) उपसंहार

(ब) छात्र और शिक्षक

(i) परंपरागत गुरू – शिष्य संबंध
(ii) वर्तमान स्थिति
(iii) परिवर्तन के कारण
(iv) दुष्परिणाम
(v) समाधान के उपाय

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE

(स) भारतीय नारी प्रगति की ओर

(i) नारी सशक्तिकरण हेतु किए जा रहे प्रयास **(ii)** वर्तमान समाज में नारी की स्थिति

(iii) नारी सशक्तिकरण हेतु किए जा रहे प्रयास **(iv)** उपसंहार

(द) राजस्थान के प्रमुख मेले

(i) राजस्थान के प्रमुख मेले **(ii)** मेलों का सामाजिक महत्व

(iii) मेलों की आवश्यकता **(iv)** उपसंहार

19. नगर में व्याप्त जल संकट के संबंध में किसी प्रसिद्ध दैनिक समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए– **[4]**

अथवा

परीक्षा में कम अंक आने पर असंतुष्ट और दुःखी मित्र को सांत्वना –पत्र लिखिए।

20. निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षिप्तिकरण कीजिए–

आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता राष्ट्रीय चरित्र का पुनर्मूल्यांकन है। भारत नारों और बिल्लों पर नहीं रह सकता, उसे जीने के लिए ठोस आधार चाहिए। यह ठोस आधार युवा पीढ़ी को अनुप्राणित किये बिना, राष्ट्र की आत्मा को जगाये बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता। विदेशी मुद्रा, विदेशी मशीन या विदेशी पूँजी के आयात से त्याग, परिश्रम और अनुशासन के भाव की पूर्ति नहीं की जा सकती, आत्म–विश्वास और राष्ट्रीय चरित्र नहीं गढ़ा जा सकता। स्वतन्त्रता के पश्चात् हम जिस तेजी से आसानी की ओर भागे उसी कारण आज हमारी कठिनाइयों में वृद्धि हुई है। समस्याओं की चुनौती स्वीकार न करके हम उनका विकल्प खोजने में लगे रहे हैं। आज आवश्यकता एक मनस्वी, राष्ट्रप्रेमी, स्वावलम्बी और अनुशासित राष्ट्रीय–चरित्र की है।

अथवा

निम्नलिखित पंक्ति का पल्लवन (वृद्धिकरण) कीजिए–

"मनुष्य जितना देता है, उतना ही पाता है। प्राण देने से प्राण मिलता है और मन देने से मन मिलता है।"

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE